दिनांक 06.02.2021

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति

प्राणि उद्यान में मादा दरियाई घोड़ा आसी जिसकी उम्र लगभग 24 वर्ष है, जो एक नर दरियाई घोड़े धीरज के साथ लम्बे समय से रह रही थी। दिनांक 04.02.2021 से मादा दरियाई घोड़े आसी द्वारा ऐसे लक्षण परिलक्षित करने लगी जिससे यह प्रतीत होने लगा कि यह मादा बच्चा देने की प्रक्रिया में है। नर दरियायी घोड़े को मादा दरियाई घोड़े से अलग कर दिया गया तथा शाम तक मादा दरियाई घोड़ा भोजन–पानी इत्यादि सामान्य रूप से कर रही थी। दिनांक 05.02.2021 की प्रातः को मादा दरियाई घोड़े द्वारा भोजन ग्रहण नहीं किया गया जोकि प्रसव के समय वन्यजीवों का एक सामान्य लक्षण है परन्तु मादा दरियाई घोड़ा बच्चे को जन्म नहीं दे पायी। इस सम्बन्ध में वन्यजीव चिकित्सक डा0 आर0के0 सिंह, कानपुर प्राणि उद्यान, कानपुर द्वारा दिनांक 05.02.2021 को मादा दरियाई घोडे का निरीक्षण किया गया तथा सुझाव दिये गये। दरियाई घोड़े का लम्बे समय तक भोजन ग्रहण न करने तथा बच्चे को जन्म न दे सकने की स्थिति को देखते हुए, आई0वी0आर0आई0, बरेली में स्थित वन्यजीव केन्द्र के प्रभारी डा0 अभिजीत पावड़े तथा उनके सहयोगी चिकित्सकों से सलाह–मशवरा कर सुझाव लिये गये, साथ ही देश के विभिन्न प्राणि उद्यान जैसे– कानपुर प्राणि उद्यान, राष्ट्रीय प्राणि उद्यान, नई दिल्ली, बनरगट्टा प्राणि उद्यान, कोलकाता प्राणि उद्यान, नंदन कानन प्राणि उद्यान तथा अन्य कई प्राणि उद्यानों से वार्ता कर सुझाव मांगे गये, इसके अतिरिक्त मथुरा वेटनरी कालेज, कुमारगंज अयोध्या वेटनरी कॉलेज, जी0बी0 पंतनगर वेटनरी कालेज तथा पशु पालन विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से भी सुझाव मांगे गये। इस परिप्रेक्ष्य में आज दिनांक 06.02.2021 को कुमारगंज अयोध्या वेटनरी कॉलेज से डा0 जे0पी0 सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं इंचार्ज वेटनरी मैडिसिन, डा0 भूपेन्द्र सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं इंचार्ज, वेटनरी गाइनकोलॉजी, डा0 सोनू जायसवाल, ऐसोसिएट प्रोफेसर एवं हैड, वेटनरी क्लिनिक्स एण्ड सर्जरी, डा0 मो0 नासिर, पशु चिकित्सक, कानपुर प्राणि उद्यान, कानपुर तथा डा0 नरबीर सिंह यादव, सुप्रिनटेंडेंट, बादशाह बाग वेटनरी पॉलीक्लिनिक, पशु पालन विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा प्रश्नगत मादा दरियाई घोड़े के सम्बन्ध में लखनऊ प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सकों से गहन विचार–विमर्श करने के उपरान्त दरियाई घोड़े की चिकित्सा की गयी।

प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सकों, कीपरों तथा स्टाफ द्वारा उसकी 24 घंटे निगरानी एवं देखभर की जा रही है।

(–ह0–)

(आर0के0 सिंह)
निदेशक
नवाब वाजिद अली शाह
प्राणि उद्यान, लखनऊ।